RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 280
दि. 11.02.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सीएम ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के समीप 250 शैय्या वाले लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के निर्देश दिए

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज लखनऊ में उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई (इटावा) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के अंतर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के समीप 250 शैय्या वाले लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के निर्देश दिए।

इससे सड़क दुर्घटनाओं सहित अन्य आपात परिस्थितियों में घायलों को त्वरित एवं उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। प्रस्तावित ट्रॉमा सेंटर का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय में 'सेंटर फॉर रूरल हेल्थ' की स्थापना तथा इसके लिए टेली-ओपीडी, वर्चुअल ओपीडी, डिजिटल डाटा एकीकरण तथा मोबाइल आउटरीच जैसी सेवाओं को शामिल करते हुए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में 'इंटीग्रेटिव मेडिसिन' यूनिट की स्थापना की जाएगी। इसके माध्यम से एलोपैथी एवं आयुष पद्धतियों के समन्वय से रोगी-केंद्रित उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि विश्वविद्यालय से समाज की उच्च अपेक्षाएं जुड़ी हैं, जिनकी पूर्ति के लिए 'हब-एंड-स्पोक' मॉडल को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में समग्र सुधार हो सके। स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनसंपर्क को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा समाज के साथ प्रभावी संवाद स्थापित किया जाए। बैठक में 'कम्युनिटी ब्रॉडकास्ट सर्विस' की स्थापना का निर्णय लिया गया।

यह ट्रॉमा सेंटर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के समीप स्थापित किया जाएगा, जिससे सड़क दुर्घटनाओं सहित अन्य आपात परिस्थितियों में घायलों को त्वरित एवं उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

मंगलवार को बतौर कुलाधिपति विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेस-वे विश्वविद्यालय परिसर से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जिसके कारण दुर्घटना पीड़ितों के उपचार में बहुमूल्य समय नष्ट होता है। प्रस्तावित ट्रॉमा सेंटर का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में 'सेंटर फॉर रूरल हेल्थ' की स्थापना के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए, जिसमें टेली-ओपीडी, वर्चुअल ओपीडी, डिजिटल डेटा एकीकरण तथा मोबाइल आउटरीच जैसी सेवाएं शामिल हों। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान को नई दिशा देने से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय को पश्चिमी एवं मध्य उत्तर प्रदेश के लिए उच्चस्तरीय चिकित्सा, शिक्षण एवं शोध के प्रभावी केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि उपचार, शिक्षण और अनुसंधान के प्रत्येक क्षेत्र में गुणवत्ता, संवेदनशीलता तथा समयबद्धता सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में नवाचारों को प्राथमिकता देने पर बल देते हुए कहा कि देश के अग्रणी चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थानों की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों (बेस्ट प्रैक्टिसेज) का अध्ययन कर उन्हें विश्वविद्यालय की व्यवस्था में समाहित किया जाए।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से समाज की उच्च अपेक्षाएं जुड़ी हुई हैं, जिनकी पूर्ति के लिए हब-एंड-स्पोक मॉडल को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में समग्र सुधार हो सके।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में इंटीग्रेटिव मेडिसिन यूनिट की स्थापना की जाएगी। इस इकाई के माध्यम से एलोपैथी एवं आयुष पद्धतियों के समन्वय से रोगी-केन्द्रित उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अंतर्गत आयुष विभाग के सहयोग से इंटीग्रेटिव ओपीडी, विशेष क्लीनिक, योग एवं वेलनेस इकाई स्थापित की जाएंगी। स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनसंपर्क को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय समाज के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करे। इस क्रम में विश्वविद्यालय में कम्युनिटी ब्रॉडकास्ट सर्विस की स्थापना का निर्णय लिया गया, जिसके माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता, रोग-निवारण, सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं से संबंधित प्रमाणिक जानकारी तथा शैक्षणिक सामग्री का प्रसारण किया जाएगा।

असम की नई वोटर लिस्ट से गायब हुए 2.4 लाख नाम, चुनाव आयोग ने जारी की फाइनल लिस्ट

चुनाव आयोग ने मंगलवार को असम के 126 विधानसभा क्षेत्रों के लिए विशेष पुनरीक्षण 2026 की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। इस नई सूची के अनुसार, असम में अब कुल 2.49 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। दिलचस्प बात यह है कि मसौदा सूची की तुलना में अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या में 2,43,485 की कमी आई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में अब 1,24,82,213 पुरुष, 1,24,75,583 महिला और 343 थर्ड जेंडर मतदाता पंजीकृत हैं। यह सूची डोर-टू-डोर वेरिफिकेशन और दावों के निस्तारण के बाद तैयार की गई है।

2.4 लाख से ज्यादा वोटर्स के नाम कटे, चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची में सबसे चौंकाने वाली बात वोटर्स की संख्या में आई गिरावट है। ड्राफ्ट लिस्ट में मतदाताओं की कुल संख्या 2,52,01,624 थी, जो फाइनल लिस्ट में घटकर 2,49,58,139 रह गई है। इसका मतलब है कि शुद्धिकरण प्रक्रिया के दौरान कुल 2,43,485 नाम हटा दिए गए हैं। यह कटौती फर्जी नामों को हटाने और डोर-टू-डोर वेरिफिकेशन के बाद की गई है, ताकि चुनाव पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सकें। असम की नई सूची में जेंडर गैप (लिंगानुपात) काफी कम नजर आ रहा है।

पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के कार्यक्रम में बड़ा हादसा, एक की मौत से मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के डबरा में मंगलवार को एक दुखद हादसा हो गया। पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा द्वारा आयोजित नवग्रह पीठ की कलश यात्रा के दौरान अचानक मची भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई और सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

12 एकड़ में फैले इस भव्य मंदिर परिसर में 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के लिए भारी जनसैलाब उमड़ा था। कुप्रबंधन और भारी भीड़ के कारण हुई इस घटना ने प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कलश यात्रा में मची जानलेवा भगदड़

डबरा में आयोजित इस कलश यात्रा के दौरान जब कलशों का वितरण किया जा रहा था, तभी भीड़ बेकाबू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, व्यवस्थाएं सीमित थीं और श्रद्धालु हजारों की संख्या में थे। धक्का-मुक्की ने जल्द ही भगदड़ का रूप ले लिया, जिसमें कई महिलाएं जमीन पर गिर गईं और दब गईं। हनुमान कॉलोनी की रहने वाली रति साहू की इस हादसे में जान चली गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद परिजनों ने प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश व्यक्त किया।

पूर्व गृहमंत्री का कार्यक्रम और प्रशासनिक विफलता

यह भव्य धार्मिक आयोजन पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा था, जो 20 फरवरी तक चलना है।

इतने बड़े स्तर के कार्यक्रम में एम्बुलेंस और पुलिस बल की तैनाती तो थी, लेकिन भीड़ को नियंत्रित करने का कोई ठोस प्लान नजर नहीं आया। डीआईजी अमित सांघी ने पुष्टि की है कि हादसा कलश वितरण के समय हुआ।

मुर्शिदाबाद में 11 फरवरी से शुरू होगा बाबरी जैसी मस्जिद का निर्माण, हुमायूं कबीर के ऐलान के बाद मचा बवाल

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 11 फरवरी को बाबरी मस्जिद जैसी संरचना के निर्माण की घोषणा ने देश की राजनीति में हलचल मचा दी है। जनता उन्नयन पार्टी (जेयूपी) के प्रमुख और पूर्व टीएमसी नेता हुमायूं कबीर के इस ऐलान के बाद बंगाल से लेकर उत्तर प्रदेश तक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

हुमायूं कबीर ने दावा किया है कि 11 फरवरी को दोपहर 12 बजे मस्जिद निर्माण का औपचारिक शुभारंभ होगा। इससे पहले सुबह 10 बजे से लगभग 1000 से 1200 मौलाना, मुफ़्ती और धर्मगुरु पवित्र कुरान की तिलावत करेंगे। कबीर का कहना है कि इस कार्यक्रम में किसी भी राजनीतिक वीआईपी को आमंत्रित नहीं किया गया है, बल्कि केवल कुरान के हाफिज और इस्लामी विद्वान ही शामिल होंगे।

दो साल में निर्माण का लक्ष्य, ₹300 करोड़ की लागत का अनुमान

कार्यक्रम के अनुसार, दोपहर 12:30 से 1 बजे के बीच निर्माण कार्य की विधिवत शुरूआत होगी। कबीर ने दावा किया है कि इस अवसर पर हजारों लोग जुटेंगे।

मस्जिद को दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिस पर लगभग ₹300 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। हालांकि अब तक केवल ₹6 करोड़ का चंदा ही जुट पाया है, जिससे परियोजना की फंडिंग को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

कबीर बोले- तकनीकी देरी के बाद अब सभी औपचारिकताएं पूरी

पीटीआई के मुताबिक, हुमायूं कबीर ने बताया कि 6 दिसंबर 2025 को बोर्ड लगने के बावजूद तकनीकी प्रक्रियाओं के कारण निर्माण कार्य में देरी हुई। अब सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और बुधवार से काम शुरू होगा।

पहले परियोजना को तीन साल में पूरा करने की योजना थी, लेकिन निर्माण कंपनी से हुए समझौते के बाद इसे दो साल में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। यह परियोजना नदिया के पलासी स्मारक से लेकर फरक्का और इटाहर तक लगभग 235 किलोमीटर क्षेत्र को कवर करने का दावा करती है।

राजनीतिक साज़िश का लगाया आरोप

हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद मुद्दे को लेकर अपने खिलाफ राजनीतिक साज़िश रचे जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार उन पर दबाव बना रही है और उन्हें रोकने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जा रहा है।

महाराष्ट्र में फडणवीस कैबिनेट ने पूरी की दिवंगत अजित पवार की तीन इच्छाएं, इससे किन्हें होगा लाभ?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र कैबिनेट ने उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार के दुखद निधन के तुरंत बाद अपनी पहली बैठक में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके द्वारा समर्थित तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं को अक्सर उनके विकासात्मक दृष्टिकोण और राज्य के प्रति योगदान के "अंतिम उपहार" के रूप में देखा जा रहा है। ये मंजूरियाँ औद्योगिक, अवसंरचनात्मक और प्रशासनिक सुधारों पर केंद्रित हैं।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन के बाद हुई महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की पहली बैठक में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान, अजीत पवार द्वारा व्यक्तिगत रूप से आगे बढ़ाए गए तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी देकर उनकी दूरदर्शिता को सम्मान दिया गया। यह निर्णय 28 जनवरी को बारामती में हुए एक विमान

हादसे में एनसीपी नेता के असामयिक निधन के कुछ ही दिनों बाद लिया गया।

इंदापुर (रत्नापुर) में 1,000 एकड़ औद्योगिक क्षेत्र

कैबिनेट ने रत्नपुरी माला, इंदापुर तालुका में 1,000 एकड़ भूमि महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (टक्ळ) को हस्तांतरित करने की मंजूरी दी। इस भूमि पर एक नया, आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। यह परियोजना अजीत पवार द्वारा क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए लंबे समय से प्रस्तावित थी।

बारामती स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए निधि

अजीत पवार की युवा सशक्तिकरण और खेल अवसंरचना को मजबूत करने की दृष्टि के अनुरूप, बारामती में एक आधुनिक खेल परिसर के विकास के लिए समर्पित निधि को मंजूरी दी गई।

यह कदम युवा खिलाड़ियों और खेल समुदाय के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करेगा।

पुणे में नए अतिरिक्त कलेक्टर पद

पुणे के उपनगरीय क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती शहरी आबादी और नागरिक मुद्दों के बेहतर प्रबंधन के लिए नए अतिरिक्त कलेक्टर पदों के सृजन को मंजूरी दी गई। यह निर्णय प्रशासनिक कार्यभार को कम करने और शहर के सुचारू संचालन में मदद करेगा। ये निर्णय अजीत पवार द्वारा वित्त और गार्डियन मंत्री के रूप में शुरू की गई लंबित और महत्वपूर्ण परियोजनाओं के अंतर्गत आते हैं राजनीतिक दृष्टिकोण से, यह मंजूरी उनके निधन के समय में राज्य के शोक की अवधि के दौरान दी गई।

अब नहीं चलेगा एआई का खेल! 20 फरवरी से लागू होंगे सख्त नियम

(जीएनएस)।

डिजिटल सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आईटी नियम 2021 के नए संशोधनों को लॉन्च किया है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि तकनीक का उपयोग जनहित के लिए होना चाहिए, न कि समाज में भ्रम और नफरत फैलाने के लिए। 20 फरवरी 2026 से लागू होने वाले ये नियम विशेष रूप से डीपफेक और एआई (AI) से उत्पन्न खतरों को जड़ से खत्म करने के लिए बनाए गए हैं।

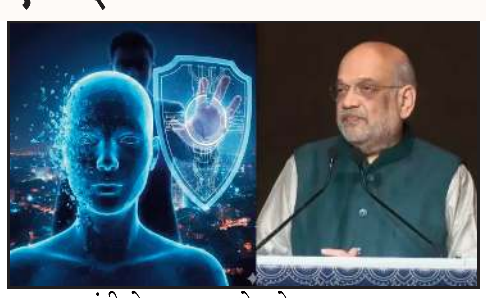

गृह मंत्री के इस हस्तक्षेप के बाद अब सोशल मीडिया कंपनियों के लिए भ्रामक एआई कंटेंट की पहचान करना और उसे चंद घंटों में हटाना अनिवार्य होगा, जिससे देश की डिजिटल सीमाओं को और अधिक सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

नए संशोधनों के तहत अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ गई है। यदि किसी प्लेटफॉर्म पर भ्रामक एआई कंटेंट या डीपफेक वीडियो पाया जाता है, तो उसे सूचना मिलने के महज 3 घंटे के भीतर हटाना होगा। इससे पहले यह समय सीमा 36 घंटे की थी। सरकार का मानना है कि वायरल होने वाली सामग्री को शुरूआती घंटों में रोककर ही बड़े नुकसान से बचा जा सकता है। इसके अलावा, अब कानून-व्यवस्था से जुड़ी सूचना केवल डीआईजी या उससे ऊपर के अधिकारी ही दे सकेंगे।

अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को अपने सिस्टम में ऐसे तकनीकी उपकरण लगाने होंगे जो 'सिंथेटिकली जेनरेटेड इंफॉर्मेशन' यानी एआई द्वारा तैयार फोटो, ऑडियो या वीडियो की पहचान कर सकें।

'अमेरिका से डील नहीं ढील हुई है', भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर संसद में भड़के अखिलेश यादव

(जीएनएस)।

लोकसभा के बजट सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। अखिलेश ने सरकार पर "जमीनी हकीकत" से दूर रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह समझौता भारत के पक्ष में नहीं है।

उन्होंने 'आत्मनिर्भर' और 'स्वदेशी' जैसे नारों की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हुए उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के साथ विकास में भेदभाव का मुद्दा भी उठाया।

अखिलेश यादव ने सदन में शायराना अंदाज में कहा कि "अमेरिका से डील नहीं, ढील हुई है।" उन्होंने सरकार को घेरे हुए सवाल किया कि भाजपा बड़े-बड़े दावे तो कर रही है, लेकिन असलियत में इस समझौते से भारतीय किसानों और उद्यमियों को क्या हासिल होगा? उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसे और कितने देश बचे हैं जिनसे व्यापारिक समझौते होना बाकी हैं।

सपा प्रमुख ने कहा कि एक तरफ सरकार 'स्वदेशी' और 'आत्मनिर्भर भारत' का प्रचार करती है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी कृषि उत्पादों और औद्योगिक वस्तुओं पर टैरिफ कम

किए जा रहे हैं। उन्होंने तंज कसा कि इस डील के बाद क्या इन भारी-भरकम शब्दों का कोई वास्तविक अर्थ रह गया है या इन्हें केवल चुनावी जुमलों तक सीमित कर दिया गया है।

यादव ने क्षेत्रीय असमानता का मुद्दा उठाते हुए पूछा कि आखिर उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में बुलेट ट्रेन क्यों नहीं आ पाई? उन्होंने वाराणसी में मेट्रो न बनने और निवेश के लिए हस्ताक्षरित 'MoUs' के जमीन पर न उतरने को लेकर भी भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा किया।

स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव और विपक्ष

सदन की कार्यवाही के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस ने भी हलचल मचा दी। सूत्रों के अनुसार, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। संसदीय परंपराओं का हवाला देते हुए इसे उचित नहीं माना गया, जबकि सदन सचिवालय नोटिस की जांच कर रहा है।

जेल में बंद राजपाल यादव की बेबसी देख पसीजा तेजप्रताप का दिल, इतने लाख की करेंगे मदद

चेक बाउंस के एक दशक पुराने मामले में दिल्ली की अदालत ने राजपाल यादव की मोहलत की गुहार ठुकरा दी, जिसके बाद उन्हें तिहाड़ जेल में सरेंडर करना पड़ा। मानवीय करुणा एवं सहयोग की भावना से, मैं जेजेडी परिवार

की ओर से ₹11,00,000 (ग्यारह लाख रुपये) की आर्थिक सहायता उनके परिवार को प्रदान कर रहा हूं।

मशहूर अभिनेता और 'मसीहा' कहे जाने वाले सोनू सूद भी राजपाल यादव के समर्थन में खुलकर सामने आए हैं। सोनू सूद ने एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए राजपाल यादव को फिल्म इंडस्ट्री का एक अनमोल रत्न बताया। उन्होंने लिखा कि कभी-कभी वक्त हुनर से ज्यादा क्रूर हो जाता है। सोनू ने ऐलान किया कि राजपाल उनकी अगली फिल्म का हिस्सा होंगे और उन्होंने पूरी इंडस्ट्री से एकजुट होने की अपील की। सोनू सूद के मुताबिक, भविष्य के काम के बदले दिया गया 'साइनिंग अमाउंट' कोई खैरात नहीं बल्कि एक कलाकार का सम्मान है।

सम्पादकीय

मोबाइल गेम के चलते सुसाइड पर मजबूर किशोर

कोरियन लव गेम गाजियाबाद में तीन सगी बहनों का 9वीं मंजिल से वूदकर जान देने की घटना ने एक बार फिर इन जानलेवा गेम्स की भारी कीमत चुकाने की याद दिला दी है। इस घटना को महज आत्महत्या कहना सच्चाई से आंखें मूंदना जैसा होगा। इन तीन नाबिलग बच्चियों की दर्दनाक मौत ने एक बार फिर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। गाजियाबाद के शालीमार गार्डन की यह घटना कई दिनों सुर्खियों में है और कई तरह की बातें कही जा रही हैं। शालीमार गार्डन के एसीपी अतुल वुमार सिह ने पत्रकारों को बताया चार फरवरी की रात लगभग सवा दो बजे सूचना मिली कि टीला मोड़ पुलिस स्टेशन क्षेत्र के तहत भारत सिटी में एक घटना हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची वहां तीन बच्चियों की ऊंची इमारत से गिरने के कारण मौत हो गुई थी। उन्हें एम्बुलेंस के जरिए लोनी के एक अस्पताल लाया गया, जहां डाक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। तीनों बहनों के नाम है 16 वषाय विशिका, 14 वषीय प्राची और 12 वषाय पाखी। बारह, चौदह और सोलह वर्ष की उम्र तो सपनों को पंख लगाकर उड़ने की होती है। उस उम्र में मौत को गले लगाना भला किसके गले उतर सकता है? दरअसल हालात, स्थितियां और आभासी भावनाओं के झूठे संसार ने इन मासूमों को मौत की दर तक पहुंचाया। यह एक डिजिटल मर्डर है। यह दुखद हादसा खूनी डिजिटल एल्गोरिदम का परिणाम है। जो मोबाइल के जरिए हम सबके घरों में घुस आया है। यह घटना कोरियन लव गेम और उसके पीछे एल्गोरिदम की कारगुजारी है। शुरूआती जांच में मोबाइल फोन और कोरियाई संस्वृति के प्राति जुनून इस घटना का मुख्य कारण हो सकते हैं। लड़कियां कोरियाई संगीत, ड्रामा, हस्तियां, जापानी फिल्में और डोरेमान के अलावा हिट मैन जैसे काटूर्नों के साथ-साथ ऑनलाइन गेम्स की शौकीन थीं। साथ ही वे कोरियाई कल्चर से इस हद तक प्राभावित थीं कि उन्होंने अपने नाम भी बदल लिए थे। लेकिन ब्लूव्हेल जैसे टास्क आधारित गेम को इस घटना का एक मात्र या मुख्य कारण नहीं माना जा सकता। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि तीनों बच्चियों की मौत शरीर से ज्यादा खून निकलने और चोट से हुई है। ऊंचाई से गिरने के कारण कई हड्डियां टूटी थीं। परिवार आर्थिक तंगी की मार झेल रहा था और घर में कलह ने भी चीजें सुरक्षित बना दी थीं।

कमरे में एक सुसाइड नोट भी मिला, जिसमें सॉरी पापा लिखा हुआ था। इस घटना के बाद बच्चों के बीच फोन एडिक्शन को लेकर फिर चचाएं तेज हो गई हैं। कई मां-बाप का कहना है कि हमारे बच्चे रात को सो नहीं पा रहे हैं। वे इतने डरे हुए हैं। बाल मनोचिकित्सक नीलेश देसाई कहते हैं कि फोन एडिक्शन रसायनिक पदाथरें की लत जैसा ही है। किशोरावस्था एक नाजुक अवस्था है। जहां बदलते समाज के साथ टेक्नोलॉजी का आव्रमण बढ़ रहा है। इस स्थिति में जब कोई किशोर या किशोरी से परिवार एकदम से फोन छीन लेता है तो एक आपदा सी खड़ी हो जाती है। एक बच्चे के लिए ये एक रसायनिक पदार्थ के एडिक्शन से कम नहीं है। डाक्टर भावना वर्मा बताती हैं, लंबे समय से स्वूल न जाने का मतलब पढ़ाई छूटने से नहीं है। यह मनोवैज्ञानिक कमजोरियों का एक सिलसिला खड़ा कर देता है। स्वूल किशोरों के स्वस्थ विकास के लिए केवल तथ्य सीखने की जगह से कहीं अधिक एक अहम स्ट्रक्चर के तौर पर काम करता है। मैंने कई किशोरों और परिवारों को परामर्श दिया है। जहां के पॉप, के-ड्रामा, कोरियाई सौंदर्य रुझान और आइडल्स के प्राति तीव्र आकर्षण एक सामान्य रूचि से कहीं अधिक गहरा हो गया है जोकि बच्चों के लिए बहुत हानिकारक हो चुका है। गाजियाबाद की घटना हर उस माता-पिता के लिए एक चेतावनी है जो यह सोच कर निश्चित बैठे हैं कि उनका बच्चा कमरे में सुरक्षित मोबाइल चला रहा है। कोरियन लव गेम जैसे डिजिटल खेल बच्चों की भावनाओं, असुरक्षा बोध का फायदा उठाकर उन्हें टाक्स पूरा करने के लिए मजबूर करते हैं।

भक्ति, संस्कृति एवं प्रकृति के संगम के साथ 11 फरवरी से गिरनार की तलहटी में भवनाथ मंदिर पर ध्वजारोहण के साथ महाशिवरात्रि मेले का विधिवत प्रारंभ होगा

उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में पवित्र साधु संतों का भव्य नगर प्रवेश कराया जाएगा

श्रद्धालुओं को सभी सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार सज्ज

- सांस्कृतिक विरासत को प्रज्वलित करने के लिए इस वर्ष पहली बार भव्य 'डमरू यात्रा' का आयोजन
- सर्व समाज की बेटियां कलश धारण कर संतों का स्वागत करेंगी
- 800 से अधिक भक्तों के रहने के लिए आराम दायक सुविधा
- 25 स्थानों पर वाहनों के लिए सुरक्षित पार्किंग की व्यवस्था

गांधीनगर, 10 फरवरी : देवाधिदेव महादेव के सानिध्य में भक्ति, संस्कृति तथा प्रकृति के संगम के साथ जूनागढ के पवित्र भवनाथ गिरनार की तलहटी में परंपरागत रूप से विश्व प्रसिद्ध 'महाशिवरात्रि मेले' का आयोजन होगा। इस वर्ष आगामी 11 फरवरी से भवनाथ मंदिर पर ध्वजारोहण के साथ महाशिवरात्रि मेले का विधिवत प्रारंभ होगा। पांच दिनों तक आयोजित होने वाले इस अलौकिक मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड और स्थानीय प्रशासन द्वारा विभिन्न सुविधाओं के साथ विशेष आयोजन किया गया है।

जूनागढ के सुप्रसिद्ध महाशिवरात्रि मेले की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने के लिए इस वर्ष पहली बार भव्य 'डमरू यात्रा' का आयोजन किया गया है, जिसमें उप मुख्यमंत्री भी सहभागिता करेंगे। इतिहास में पहली बार सर्व समाज की बेटियां कलश धारण कर संतों का स्वागत करेंगी। इस भव्य डमरू यात्रा मेले के पहले दिन, यानी 11 फरवरी को शाम 7 बजे भवनाथ प्रवेश द्वार से शुरू होकर भवनाथ मंदिर तक लगभग 400 मीटर के मार्ग पर भक्तिमय वातावरण में निकलेगी। यात्रा के समापन के बाद भवनाथ मंदिर में भव्य महाआरती का भी सुंदर आयोजन किया गया है।

गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड द्वारा यात्रियों के रात्रि विश्राम को आरामदायक बनाने के लिए 800-850 भक्तों की क्षमता वाला विशाल जर्मन डोम तैयार किया गया है। भक्तों के लिए 2,000 वर्गमीटर में फैले इस डोम में 700 पलंग और 150 फ्लोर बेडिंग की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही 247 हाउसकीपिंग, मेडिकल सहायता, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट्स और सामान रखने के लिए अलग लगेज रैक जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

मेले में आने वाले नागरिकों के वाहनों के व्यवस्था के लिए उपरकोट, पांजरापोळ, वाघेश्वरी मंदिर जैसे 25 अलग- अलग स्थलों पर विशाल पार्किंग प्लोट्स बनाए गए है। नागरिकों के वाहनों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक पार्किंग में सीसीटीवी कैमरा, पीने का पानी तथा शौचालय की भी व्यवस्था की गई है।

मेले के मार्गों और मंदिरों को और अधिक भक्तिमय बनाया जाएगा। जिसमें समग्र भवनाथ मेला क्षेत्र को 'भगवान भोलेनाथ' की थीम पर सजाया जाएगा। भवनाथ मंदिर का फूलों से श्रंगार और पूरे रवेडी मार्ग पर आकर्षक रोशनी की जाएगी। भवनाथ मंदिर, अखाड़े, दामोदर कुंड और 6 मुख्य प्रवेश द्वारों को आकर्षक रोशनी से जगमगाया जाएगा। मेले के रास्ते में 6 सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र बनेंगे। इसके अलावा पूरे मेला क्षेत्र में भगवान शंकर के कलात्मक चित्र भी उकेरे गए हैं। गिरनार द्वार से भवनाथ मंदिर तक के मार्ग पर सजावट और लाइटिंग भी की गई है।

भवनाथ तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए विभिन्न आधुनिक व्यवस्थाएं स्थापित की गई हैं। इसके अंतर्गत; पीने के शुद्ध पानी के लिए भवनाथ में 140 परब की व्यवस्था की गई है। पर्यावरण संरक्षण के लिए 10 बोतल क्रशर मशीन और किसी भी चिकित्सा आवश्यकता को पूरा करने के लिए 28 मेडिकल सुविधा काउंटर भी कार्यरत किए गए हैं। इसके अलावा, मेले के दौरान कुल 118 अस्थायी शौचालय तथा भवनाथ क्षेत्र में 6 मोबाइल शौचालय की व्यवस्था भी की गई है। इसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग व्यवस्था तथा 247 हाउसकीपिंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

इन सभी पार्किंग स्थलों पर फ्लड लाइट, सैनिटेशन, सफाई, पीने के पानी की व्यवस्था तथा राउंड द क्लॉक पुलिस बंदोबस्त रहेगा। इसके लिए जिला स्तर पर पार्किंग समिति का गठन किया गया है। इन पार्किंग स्थलों से मुख्य दो प्वाइंट भरडावाव और गिरनार द्वार से श्रद्धालु भवनाथ की ओर प्रस्थान करेंगे। पार्किंग स्थलों से विशेष रूप से दिव्यांगों को मेले तक पहुंचाने के लिए लगभग 25 रिक्षाओं द्वारा निःशुल्क परिवहन सुविधा प्रदान करने का आयोजन किया है।

स्थानीय प्रशासन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, लाइट एंड साउंड शो और सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। महाशिवरात्रि की रात्रि में आयोजित होने वाली साधु-संतों की शाही रवेड़ी और मृगीकुंड में शाही स्नान मेले का मुख्य आकर्षण रहेगा।

पहली नजर में ही सुप्रिया पर आया था बिजनेसमैन का दिल, शरद पवार ने क्यों नहीं किया बेटी का कन्यादान?

ण्णआजकल सुबह से NCP (SP) की वर्किंग प्रेसिडेंट और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) सांसद सुप्रिया सुले लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं, वजह है उनकी बेटी की शादी, दरअसल उनकी लाडली बिटिया रेवती सुले की शादी पक्की हो गई है। रेवती के भाई विजय सुले ने सोशल मीडिया पर अपनी बहन के ब्याह की बात कन्फर्म की है।

मालूम हो कि रेवती का रिश्ता सारंग अरुण लखानी से तय हुआ है,जो कि मूल रूप से मुंबई के ही रहने वाले हैं और विश्वराज ग्रुप के अध्यक्ष अरुण लखानी के पुत्र हैं। हालांकि शादी या सगाई की कोई डेट अभी सामने नहीं आई है, लोगों को उम्मीद है कि ये शादी काफी धूम-धाम और रॉयल होगी लेकिन जो सुप्रिया को करीब से जानते हैं उन्हें भरोसा है कि राजनीति के 'चाणक्य' कहे जाने वाले शरद पवार की बेटी अपनी शादी की तरह अपनी लड़की की भी शादी काफी सादगी से करेंगी।

र४स्र१८ र४ी 'ङ्ग५ी २३ङ्ग१८

जी हां, शरद पवार और प्रतिभा पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने 4 मार्च 1991 को मशहूर बिजनेसमैन सदानंद भालचंद्र सुले से शादी की थी, ये प्रेमविवाह था। आपको बता दें कि शुरू से ही पढ़ने में बेहद मेधावी सुप्रिया भले ही एक सशक्त सियासी परिवार से ताल्लुक रखती हैं लेकिन वो अपनी लाइफ सिंपल तरीके से ही जीती आई हैं। गौरतलब है कि सुप्रिया स्नातक करने के बाद पुणे अपने चाचा के पास रहने चली गई थीं और वहां पर कुछ दिनों के लिए एक अखबार में पत्रकार के तौर पर काम किया था।

एक पार्टी में हुई थी सुप्रिया और सुले की मुलाकात

इसी दौरान वहां उनकी कुछ सहकर्मियों से दोस्ती हुई , जिनके साथ वो एक पार्टी में गई थीं, जहां उनकी मुलाकात सदानंद सुले से हुई, जिस वक्त सुप्रिया उनसे मिली थीं, तब तो वो उनके बैकग्राउंड के बारे में नहीं जानती थीं। सदानंद को पहली नजर में ही सुप्रिया पसंद आ गई और फिर दोनों में मित्रता हुई, जो कि जल्दी ही प्रेम में बदल गई, सदानंद से दोस्ती के बाद सुप्रिया सुले को पता चला कि वो

महिंद्रा एंड महिंद्रा के पूर्व प्रबंध निदेशक भालचंद्र सुले और शशि भट्ट के बेटे हैं।

शशि भट्ट देश की जाने-माने बैडमिंटन खिलाड़ी रही हैं। वो भारतीय सिविल सेवा अधिकारी एम डी भट्ट की बेटी थीं, जिन्होंने बॉम्बे राज्य के मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया था। सुप्रिया और सदानंद दोनों के रिश्ते को घरवालों की मोहर मिल गई थी, इसलिए दोनों परिणय सूत्र बंधन में बंध गए लेकिन ये शादी बहुत ही सिंपल थी, इसमें कोई बैंड-बाजा नहीं बजा और ना ही ग्रैंड पार्टी हुई उल्टा इसमें मेहमानों को सिर्फ एक पेड़ा खाने को दिया गया था, हालांकि इस शादी में राजनीति, बिजनेस, खेल और मनोरंजन जगत की कई हस्तियां शामिल हुई थीं।

इस शादी के बारे में पुणे के एक पब्लिक इवेंट में, सुप्रिया सुले ने बात की थी उन्होंने कहा था कि 'मेरी बेटी की शादी भी सिंपल होगी। मेरी शादी में मेरे पापा ने पटाखे नहीं फोड़े। कोई फैंसी ड्रेस या फूलों की सजावट और बैंड बाजा नहीं था। असल में, कोई शादी की दावत नहीं थी। जो लोग इसमें शामिल हुए थे उन्हें याद होगा कि शामिल होने वाले को एक पेड़ा दिया गया था। अगर आपने शादी का इनविटेशन देखा होता, तो आप हंस पड़ते। मैं फिजूलखर्ची वाले फंक्शन के खिलाफ नहीं हूं लेकिन मुझे लगता है कि शादी को परिवार के स्टेटस से

इसलिए आप अंदाजा लगा सकते हैं के रेवती सुले की शादी भी बहुत ही सादगी से होगी। यही नहीं सुप्रिया सुले की शादी में दिग्गज तो पहुंचे थे लेकिन उनके पिता नहीं, आपको जानकर हैरत होगी कि उनका कन्यादान उनके पिता शरद पवार ने नहीं किया था। लल्लनटॉप को दिए गए इंटरव्यू में, सुप्रिया सुले ने भी बताया था कि उनके माता-पिता ने उनका कन्यादान नहीं किया बल्कि उनके चाचा, प्रताप पवार और उनकी पत्नी ने सुप्रिया का कन्यादान किया था क्योंकि पापा किसी राजनीतिक काम की वजह से दिल्ली में थे और शादी में नहीं आ पाए थे।'

आपको बता दें कि शादी के बाद सुप्रिया भी कुछ साल के लिए अमेरिका चली गईं और उन्होंने बर्कले यूनिवर्सिटी में वाटर पॉल्यूशन को लेकर एक रिसर्च पेपर भी लिखा था। इस शादी से उन्हें बेटा - विजय और एक बेटी - रेवती है। यहां आपको ये भी बता दें कि रिश्ते में सदानंद सुले शिवसेना के संस्थापक बाला साहब ठाकरे के भांजे हैं और कई कंपनियों में निदेशक के रूप में कार्य कर चुके हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 17 फरवरी को आएंगे भारत, कुछ खास है वजह

(जीएनएस)।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्योते पर 17 से 19 फरवरी, 2026 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय ने इस हाई-प्रोफाइल दौरे की जानकारी दी है। यह यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक और कूटनीतिक रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

'क्षितिज 2047 रोडमैप' पर होगी अहम बातचीत

विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस तीन दिवसीय दौरे के दौरान राष्ट्रपति मैक्रों और प्रधानमंत्री मोदी 'क्षितिज 2047 रोडमैप' के तहत तय किए गए विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। इसमें भारत-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग के साथ-साथ आपसी हित से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

मुंबई में भारत-फ्रांस होगा समारोह

भारत यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मैक्रों और प्रधानमंत्री मोदी संयुक्त रूप से मुंबई में उद्घाटन करेंगे। यह

नवोन्मेष वर्ष पूरे 2026 में भारत और फ्रांस दोनों देशों में मनाया जाएगा, जिसका उद्देश्य टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप्स और इनोवेशन के क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देना है।

नई दिल्ली में अकइंपैक्ट समिट

19 फरवरी, 2026 को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'एआई इंपैक्ट समिट में भी भाग लेंगे। इस समिट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सामाजिक, आर्थिक और वैश्विक प्रभावों पर चर्चा की जाएगी, जो भविष्य की तकनीक के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है।

पीएम मोदी की फ्रांस यात्रा के बाद हो रहा यह दौरा

विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह यात्रा फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा के बाद हो रही है। मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह दौरा भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी में आपसी विश्वास, गहराई और इसे और मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

कई अहम क्षेत्रों में मजबूत है भारत-फ्रांस साझेदारी

भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी रक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी सहयोग और जलवायु कार्रवाई जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक फैली हुई है। राष्ट्रपति मैक्रों की यह यात्रा इन सभी क्षेत्रों में सहयोग को और आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने वाली है।

मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना क्या है, कौन है पात्र, कैसे मिलेंगे दो लाख रुपए,यहां मिलेगी पूरा जानकारी

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में धामी सरकार ने मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ कर दिया है। जो कि महिलाओं के लिए खासा कारगर साबित हो सकती है। ऐसी महिलाएं जो अकेली हैं। इसमें महिलाओं को अधिकतम दो लाख रुपए तक मिल सकते हैं।

मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना एक सशक्त महिला उद्यमी योजना है। योजना के अंतर्गत अधिकतम 2 लाख तक की धनराशि स्वीकृत किए जा रहे हैं। लाभार्थी द्वारा स्वयं के श्रोतों / लोन के रूप में ली गयी धनराशि के सापेक्ष 75 प्रतिशत या ₹1.50 लाख (जो भी अधिकतम हो) धनराशि की सब्सिडी प्रदान की जायेगी।

योजना के अंतर्गत परियोजना के लिए महिला को विभागीय अनुदान धनराशि 75% देय होगी एवं महिला का स्वयं का अंशदान 25% अनिवार्य रूप से देय होगा।

प्रदेश में ऐसी महिलाएं जिनका कोई सहारा नहीं है, या जो अकेली हैं, उनकी मदद के लिए "मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना" लांच की गई है। इसमें स्वरोजगार हेतु राज्य सरकार पात्र महिलाओ को अनुदान दिया जाएगा, जिसकी राशि अधिकतम 1.5 लाख रूपए की होगी। इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा महिलाओ को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए अनुदान दिया जाएगा, जो की अधिकतम 1.5 लाख रूपए तक का होगा।

कौन है पात्र

योजना अनुसार यदि कोई महिला अपना खुद का व्यवसाय करना चाहती है तो योजना स्वरुप महिला को 2 लाख तक की राशि पर 75% का अनुदान दिया जाएगा। योजना का लाभ एकल निराश्रित महिलाए, विधवा, परित्यक्ता, किन्नर, अपराध से पीड़ित या एसिड हमले से पीड़ित महिला या महिलाओ के बच्चे या तो अविवाहित है या नाबालिक है, को प्राप्त होगा। इसके साथ महिलाओ की आयु 21 से 50 वर्ष के मध्य हो और राज्य की स्थायी निवासी हो।

मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना के अंतर्गत महिला किसी भी व्यवसाय का चयन कर खुद का स्वरोजगार स्थापित कर सकती है। व्यवसाय के लिए मुख्य तौर पर बागवानी, कृषि, पशुपालन, मुर्गी पालन, प्लम्बर कार्य, इलेक्ट्रीशियन, डाटा एंट्री, ब्यूटी पार्लर आदि जैसे

सहकारी बैंकों के लिए मोदी सरकार का मास्टरस्ट्रोक, आसानी से मिलेगा ₹5 लाख तक लोन

(जीएनएस)।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) और भारत सरकार ने मिलकर सहकारी बैंकों को अधिक सशक्त, आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए व्यापक सुधारों की एक नई रूपरेखा तैयार की है। इन बदलावों का प्राथमिक लक्ष्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं को पारदर्शी और डिजिटल रूप से उन्नत बनाना है। 'सहकार सारथी' जैसी पहलों के माध्यम से छोटे सहकारी बैंकों को अब वही आधुनिक तकनीक मिलेगी जो बड़े कमर्शियल बैंकों के पास होती है।

साथ ही, प्राथमिक क्षेत्रों (PSL) के लिए कर्ज के नियमों में ढील दी गई है, जिससे किसानों और छोटे उद्यमियों को आर्थिक मजबूती मिलेगी। ये सुधार न केवल बैंकों के संचालन को बेहतर करेंगे, बल्कि जमाकताओं के ₹5 लाख तक के धन की सुरक्षा सुनिश्चित कर बैंकिंग प्रणाली में जनता का विश्वास और गहरा करेंगे।

लोन की राह हुई आसान

अब सहकारी समितियों को खेती और ग्रामीण विकास के लिए पैसा जुटाना बहुत सरल होगा। आरबीआई ने इन कर्जों को 'प्राथमिकता क्षेत्र' में शामिल कर दिया है। इससे बड़े बैंकों के लिए सहकारी संस्थाओं को फंड देना अनिवार्य हो जाएगा, जिससे सीधे तौर पर छोटे किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को सस्ता और समय पर लोन मिल सकेगा।

'सहकार सारथी' से होगा

डिजिटल कायाकल्प

छोटे और ग्रामीण सहकारी बैंकों को हाई-टेक बनाने के लिए 'सहकार सारथी' नाम की एक साझा सेवा इकाई (SSE) बनाई गई है। यह सिस्टम इन बैंकों को आधुनिक सॉफ्टवेयर और नेट बैंकिंग जैसी सुविधाएं देगा। इसके अलावा, आधार के जरिए लेन-देन (AePS) की फीस कम होने से अब गांव का हर व्यक्ति अपने अंगूठे के निशान से आसानी से बैंकिंग कर सकेगा।

घर के सपनों को मिलेगी नई उड़ान

शहरी सहकारी बैंकों (UCBs) के लिए हाउसिंग लोन के नियमों को काफी उदार बना दिया गया है। अब ये बैंक अपने कुल फंड का 25% तक हिस्सा घर बनाने के लिए कर्ज के तौर पर दे सकेंगे। पहले यह सीमा बहुत कम थी, जिससे लोगों को लोन मिलने में दिक्कत होती थी। अब शहर के मध्यम वर्ग के लिए सहकारी बैंकों से होम लोन लेना कहीं अधिक आसान हो जाएगा।

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ, 484 लाभार्थियों को 3 करोड़ रुपए ट्रांसफर

(जीएनएस)।

उत्तराखंड की धामी सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ किया है। इस योजना में विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा या किसी भी कारण से अकेले जीवन का भार उठाने वाली महिलाओं के साथ एसिड अटैक, आपराधिक घटना की पीड़िता, ट्रांसजेंडर्स को भी शामिल किया है।

जिन्हें 2 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने योजना का शुभारंभ करते हुए प्रथम चरण में जनपद बागेश्वर (42 लाभार्थी) , देहरादून (191), नैनीताल (75), पौड़ी (66), टिहरी (23) एवं उधमसिंहनगर (87) के कुल 484 लाभार्थियों को प्रथम किश्त के रूप में ₹ 3 करोड़ 45 लाख 34,500 की धनराशि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में भेजी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी और उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा राज्य की लाखों महिलाओं के संघर्ष, साहस और आत्मविश्वास को नई दिशा दी जा रही है। महिलाओं के बिना किसी भी राष्ट्र और समाज की उन्नति संभव नहीं है। महिला के सशक्त होने से परिवार के साथ पूरा समाज सशक्त होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत कुल 484 लाभार्थियों को प्रथम किश्त के रूप में ₹ 3 करोड़ 45 लाख 34,500 की धनराशि दी जा रही है। शेष 7 जनपदों की 540 महिलाओं को भी लगभग ₹ 4 करोड़, महीने के अंत तक डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा

मुख्यमंत्री ने कहा इस योजना के शुरू होने से राज्य की नारी शक्ति अब नेतृत्व की भूमिका निभाएंगी। उन्होंने

कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मातृशक्ति के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए निरन्तर कार्य किए जा रहे हैं । महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी, बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं अभियान, उज्ज्वला योजना, लखपति दीदी योजना के साथ ही ट्रिपल तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त करने जैसे कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, राज्य की मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता, नौकरियों में प्रदेश की महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। राज्य सरकार द्वारा उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, सशक्त बहना उत्सव योजना, मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना के माध्यम से राज्य की मातृशक्ति को नए अवसर प्रदान किए जा रहें हैं। साथ ही मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के अंतर्गत महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य में लगभग 5 लाख महिलाएँ 70 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूह बनाकर अपना व्यवसाय कर रही हैं। 7 हजार से अधिक ग्राम्य संगठन और 500 से अधिक क्लस्टर संगठनों के माध्यम से राज्य की महिलाएँ सामूहिक नेतृत्व की एक अद्वितीय मिसाल भी पेश कर रही हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

सीहोर रेलवे स्टेशन पर 21 जोड़ी ट्रेनों का अस्थाई ठहराव

रतलाम 10 फरवरी। महाशिवरात्रि मेला के दौरान सीहोर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए वहाँ से गुजरने वाली 21 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस एवं सुपरफास्ट ट्रेनों का अस्थाई ठहराव दिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह ठहराव 13 फरवरी, 2026 से 22 फरवरी 2026 तक दिया जाएगा। ठहराव दिये गये ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः-

12923/12924 डॉ. अम्बेडकर नगर नागपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस

19301/19302 डॉ. अम्बेडकर नगर यशवंतपुर एक्सप्रेस

22911/22912 इंदौर हावड़ा क्षिप्रा एक्सप्रेस

20414/20413 इंदौर वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस

20416/20415 इंदौर वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस

14115/14116 ड ा ॅ . अम्बेडकर नगर प्रयागराज एक्सप्रेस

19313/19314 इंदौर पटना एक्सप्रेस

19321/19322 इंदौर पटना एक्सप्रेस

19305/19306 डॉ. अम्बेडकर नगर कामाख्या एक्सप्रेस

22645/22646 इ ं द ौ र तिरूवनंतपुरम नॉर्थ एक्सप्रेस

22191/22192 इंदौर जबलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस

12719/12720 जयपुर हैदराबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस

17019/17020 हिसार हैदराबाद एक्सप्रेस

22909/22910 वलसाड पुरी एक्सप्रेस

20814/20813 जोधपुर पुरी एक्सप्रेस

15560/15559 अहमदाबाद दरभंगा

19413/ 19414 अहमदाबाद कोलकाता एक्सप्रेस

22829/22830 भुज शालिमार एक्सप्रेस

22673/22674 जोधपुर - मन्नारगुड़ी एक्सप्रेस

22468/ 22467 गांधीनगर कैपिटल वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस

19489/ 19490 अहमदाबाद गोरखपुर एक्सप्रेस

ट्रेनों की अद्यतन सूचना की जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

जनसंपर्क विभाग - रतलाम मंडल

चार वर्षीय मासूम की गला दबाकर हत्या,झोपड़ी से शव बरामद

(जीएनएस)।

बिसवां/सीतापुरः बिसवा कोतवाली इलाके में सोमवार की देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां गांव के बाहर स्थित एक झोपड़ी में दोपहर तीन बजे से लापता एक 5 वर्षीय बच्ची का खून से लथपथ शव बरामद मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। इस वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार 4 वर्षीय मासूम बच्ची संध्या पुत्री रामशरण दोपहर तीन बजे से लापता हो गई। पिता शाम पांच बजे से ग्रामीणों की मदद से उसकी तलाश की तो देर रात उसका शव गांव के बाहर बने एक झोपड़ी से खून से लथपथ बरामद हुआ

तो हड़कंप मच गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई।घटना की जानकारी पर पहुंची स्थानीय पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। वही देर रात से एसपी अंकुर अग्रवाल, एएसपी दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह, सीओ बिसवा अमन सिंह ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और परिजनों के बयान दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मासूम बच्ची के गर्दन पर रस्सी से गला कसे जाने के निशान पाए गए है। वही शव पर मिले खून से मासूम की मौत का राज और अधिक गहरा हो गया। परिजनों ने मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या की आशंका जताते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले में एक युवक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

दुबई से ठगी का 'ट्रेनिंग' लेकर लौटे मास्टरमाइंड गिरफ्तारः पीलीभीत पुलिस ने फर्जी गेमिंग ऐप गिरोह का किया भंडाफोड़

(जीएनएस)।

पीलीभीत,घुंघचाई थाना पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दुबई में ठगी का प्रशिक्षण लेकर लौटे अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह के दो मुख्य सरगनाओं को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरोह फर्जी गेमिंग ऐप के जरिए लोगों को लालच देकर उनके बैंक खाते खाली कर रहा था।

थाना प्रभारी जयशंकर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एनसीआरबी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर कार्रवाई की। गिरोह के मुख्य संचालक हर्षित उर्फ तनिश को मध्य प्रदेश के भोपाल से तथा आशुतोष कुमार उर्फ आशु को दिल्ली के मालवीय नगर से पकड़ा गया। जांच में पता चला कि गिरोह

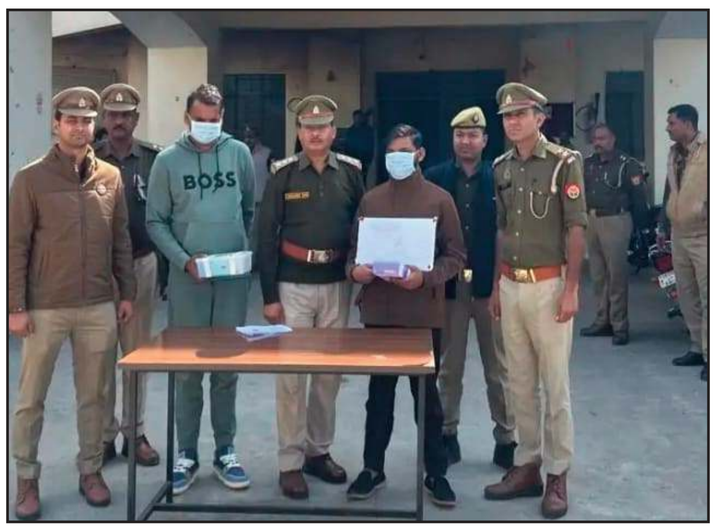

के कुछ सदस्य पहले ही पीलीभीत और उत्तराखंड के रुद्रपुर से गिरफ्तार हो चुके थे, लेकिन ये दोनों सरगना लंबे समय से फरार थे।

पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने बताया कि दुबई में रहकर उन्होंने फर्जी गेमिंग ऐप से ठगी का प्रशिक्षण लिया। भारत लौटने के बाद अवैध कॉल सेंटर स्थापित कर लोगों को ऑनलाइन गेमिंग में मुनाफे का लालच दिया। जैसे ही शिकार ऐप डाउनलोड करता, वे बैंक डिटेल चुरा लेते और खाता खाली कर देते।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सात हाई-टेक मोबाइल फोन, एक लैपटॉप (जिसमें ठगी का डेटा होने की आशंका), पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज बरामद किए। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी संगठित गिरोह चला रहे थे। अब उनके बैंक खातों और डिजिटल डेटा का विश्लेषण कर शिकारों की संख्या का पता लगाया जा रहा है।

पीलीभीत में ट्रक मालिक ने चालक को बेल्ट-लातों से पीटाः पुलिस की मौजूदगी में हिंसा, समझौते का आरोप, जांच शुरू

(जीएनएस)।

पीलीभीत,बरखेड़ा थाना क्षेत्र में एक ट्रक मालिक ने अपने चालक की सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सरेआम बेल्ट, लातों और घूंसों से बेरहमी से पिटाई की। छह लोगों ने मिलकर चालक को पीटा, जो हाथ जोड़कर दया की भीख मांगता नजर आया। कथित तौर पर चालक बिना बताए ट्रक ले गया था, जिससे नाराज मालिक और उसके साथी मौके पर पहुंचे।

पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पिटाई के दौरान पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे, फिर भी हिंसा रोकने के बजाय दोनों पक्षों में समझौता कराने का आरोप लग रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक की चीखें गूंज रही थीं, लेकिन पुलिस चुप रही। वीडियो

वायरल होने से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है और उच्चाधिकारियों ने संज्ञान ले लिया।

थाना प्रभारी का बयान

बरखेड़ा थाना अध्यक्ष प्रमेंद्र कुमार ने कहा, "सोशल मीडिया वीडियो के आधार पर जांच चल रही है। अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली। शिकायत और जांच के तथ्यों पर वैधानिक कार्रवाई होगी।

"यह घटना पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़ी कर रही है। सोशल मीडिया पर लोग पुलिस की निष्क्रियता की कड़ी निंदा कर रहे हैं।

पीलीभीत में शराब भट्टी पर सनसनीखेज चोरीः दीवार तोड़कर घुसे चोर, 39 पेटी शराब और 18 हजार नकद ले उड़े

(जीएनएस)।

पीलीभीत,जिले के दियोरिया कलां थाना क्षेत्र के जयनगर गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक देशी शराब भट्टी को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने दुकान की पिछली दीवार में नकब सेंधकर अंदर घुस गए और वहां से 39 पेटी देशी शराब के साथ-साथ 18,000 रुपये नकद भी लूट लिए। यह घटना क्षेत्र में सनसनी फैला रही है और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

सूत्रों के अनुसार, चोर रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए जयनगर स्थित देशी शराब दुकान पर पहुंचे। उन्होंने सोमवार रात करीब 2 बजे दुकान की पिछली दीवार में बड़ा सा छेद कर लिया और अंदर प्रवेश कर गए। दुकान के गल्ले से नकदी साफ कर दी और भारी मात्रा में स्टॉक की गई 39 पेटियां उठा लीं। चोर इतने चालाक थे कि उन्होंने दुकान का ताला

तोड़ने की बजाय दीवार का सहारा लिया, जिससे घटना का पता सुबह होने पर ही चला।

मंगलवार सुबह जब दुकान का सेल्समैन पहुंचा, तो नजारा देखकर उसके होश उड़ गए। टूटी हुई दीवार, बिखरा सामान और गायब स्टॉक को देखते ही उसने तुरंत थाने पर सूचना दे दी। थाना अध्यक्ष गौतम सिंह अपनी टीम के साथ फौरन मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया और दीवार में बने बड़े सुराख को देखा, जो चोरों की सुनियोजित साजिश की ओर इशारा करता है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं और ग्रामीणों से पूछताछ भी की जा रही है।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में चोरियां और डकैतियां बढ़ गई हैं, जिससे ग्रामीण दहशत में जी रहे हैं। जयनगर गांव के एक बुजुर्ग निवासी रामस्वरूप ने बताया, "रात में गश्त की कमी से अपराधी बेलगाम हो गए हैं। अब शराब भट्टियां भी सुरक्षित नहीं रह गईं।" एक अन्य ग्रामीण ने कहा कि चोर शराब ले गए, लेकिन इससे ज्यादा चिंता की बात पुलिस की लापरवाही है।

थाना अध्यक्ष गौतम सिंह ने बताया, "चोरी की तहरीर मिलते ही मामला दर्ज कर लिया गया है। विशेष टीम गठित कर संदिग्धों की धरपकड़ के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है। जल्द ही चोरों को पकड़कर शराब और नकदी बरामद कर ली जाएगी।" पुलिस ने आसपास के जिलों में भी अलर्ट जारी कर दिया है। यह घटना न केवल स्थानीय व्यापारियों में असुरक्षा की भावना पैदा कर रही है, बल्कि पुलिस की नाकामी पर भी सवाल खड़े कर रही है।

कानून का पालन करेंगे तो आगे बढ़ेंगे, अराजकता के लिए नहीं है कोई जगह : सीएम योगी

(जीएनएस)।

- हनुमत विराट महायज्ञ में शामिल होकर विकास योजनाओं का किया ऐलान

- बोले-प्रदेश में अब शांति, सुरक्षा और समृद्धि का नया दौर

बाराबंकी। मुख्यमंत्री मा0 योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दशम हनुमत विराट महायज्ञ एवं श्रीरामार्चा पूजन कार्यक्रम के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि उत्तर प्रदेश अब अनुशासन, विकास और कानून-व्यवस्था के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि जो लोग अव्यवस्था फैलाने का सपना देखते हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि राज्य में कानून सर्वोपरि है और उसका पालन

करने के लिए सरकार पूरी मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने यज्ञ मंडप में आहुति अर्पित की और संत बलराम दास से आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में अयोध्या सहित कई जिलों के संत-महंत, जनप्रतिनिधि और हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

प्रदेश में बदली तस्वीर, शांति और सुरक्षा बनी पहचान

मुख्यमंत्री मा0 योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रदेश में अब शांति और सौहार्द का वातावरण है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाकर सरकार ने आमजन को सुरक्षित माहौल दिया है, जिससे विकास की गति तेज हुई है।

सनातन संस्कृति पर गर्व, सजग रहने का आह्वान

अपने संबोधन में मा0 मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और सनातन संस्कृति एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने लोगों से एकजुट रहकर सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करने और समाज को कमजोर करने वाली ताकतों से सतर्क रहने की अपील की।

कल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों को लाभ

मा0 मुख्यमंत्री ने सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रदेश में एक करोड़ से अधिक परिवारों को पेंशन दी जा रही है, जबकि 15 से 16 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा कार्ड दिए गए हैं, जिससे गरीब परिवारों को बेहतर इलाज मिल पा रहा है।

पूरनपुर में भाकियू (भानू) का भ्रष्टाचार के खिलाफ मासिक पंचायतः एसडीएम को सौंपा चार सूत्रीय ज्ञापन, बड़े आंदोलन की चेतावनी

(जीएनएस)।

पीलीभीत।जनपद के पूरनपुर तहसील में मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने मासिक पंचायत का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों किसानों और संगठन के पदाधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और राजस्व व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार व अव्यवस्था पर तीखा प्रहार किया। पंचायत की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने की, जिन्होंने एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्वास्थ्य सेवाओं की लचलापन, अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटरों का संचालन, भ्रष्ट लेखपालों की मनमानी और अधिकारियों की अनुपस्थिति जैसे गंभीर मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सुधार नहीं हुए, तो पूरे जिले में व्यापक आंदोलन छेड़ दिया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग में 'पैसे के बिना इलाज नहीं' का बोलबाला

जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने पंचायत को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य विभाग पर सबसे तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, "जिला अस्पताल और महिला जिला अस्पताल में गरीब मरीजों को पट्टी बदलने या सुई निकालने जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए भी 200-500 रुपये तक अवैध वसूली की जा रही है। एक बुजुर्ग महिला को हाल ही में सुई निकालने के लिए 300 रुपये देने पड़े, जबकि यह मुफ्त होना चाहिए।" क्रोधी ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों और स्टाफ की मिलीभगत से यह कुप्रथा रोजमर्रा हो चुकी है, जिससे ग्रामीण इलाकों के असहाय मरीज परेशान हैं। संगठन ने मांग की है कि इन अस्पतालों में तत्काल पारदर्शी व्यवस्था लागू हो और अवैध वसूली पर सख्ती बरती जाए।

अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटरों से जनता का शोषण

ज्ञापन के दूसरे प्रमुख बिंदु पर जिले में बिना पंजीकरण और मानकों के विपरीत चल रहे दर्जनों अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर कार्रवाई न होने का मुद्दा था। भाकियू नेताओं ने खुलासा किया कि ये केंद्र गर्भाशय जांच के नाम पर महिलाओं का आर्थिक व शारीरिक शोषण कर रहे हैं। एक किसान नेता ने बताया, "एक महिला को गलत रिपोर्ट देकर 5 हजार रुपये ऐंठे गए, जिससे परिवार कर्ज में डूब गया। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से ये केंद्र बेलगाम हो रहे हैं।" संगठन ने मांग की है कि इन केंद्रों को तत्काल सील किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो।

लेखपाल की मनमानी और 'रफ्फ़' नोटिस की मार

सिद्ध नगर नरोसा ग्राम पंचायत के लेखपाल पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए उनकी जांच व निलंबन की मांग की गई। किसानों ने शिकायत की कि ये लेखपाल नक्शा सुधारने या प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए रिश्वत मांगते हैं। इसके अलावा, 'रफ्फ़' नोटिस के सिलसिले में दूरस्थ गांवों से आने वाले ग्रामीणों को अधिकारियों की अनुपस्थिति का सामना करना पड़ता है। एक किसान ने रोष जताते हुए कहा, "हम सुबह 10 बजे आते हैं, लेकिन तहसीलदार या नायब दोपहर बाद ही नजर आते हैं। इससे मजदूरी छूटती है और समस्या जस की तस रह जाती है।" ज्ञापन में तहसील स्तर पर अधिकारियों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग शामिल है।

एसडीएम का आश्वासन, लेकिन किसान सतर्क

एसडीएम अजीत प्रताप सिंह ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए कहा, "उठाए गए सभी बिंदुओं की गहन जांच कराई जाएगी। संबंधित विभागों को निर्देश जारी कर सुधार सुनिश्चित किया जाएगा।" पंचायत में भारी संख्या में किसान, महिलाएं और यूनियन कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने नारों के साथ अपना समर्थन जताया। भाकियू नेताओं ने स्पष्ट किया कि आश्वासन पर अमल न होने पर अगले मासिक पंचायत में आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

यह पंचायत न केवल स्थानीय मुद्दों को उजागर करती है, बल्कि ग्रामीण भारत में प्रशासनिक सुधारों की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

10 सूत्रीय मांगों पर अड़े भाकियू भानु के कार्यकर्ता निस्तारण न होने तक जारी रहेगा अनिश्चित कालीन धरना

(जीएनएस)।

पीलीभीत बीसलपुर तहसील परिसर में भाकियू भानु द्वारा पूर्व में दिए गए ज्ञापनों पर संज्ञान न लेने के संबंध में, 10 बिंदुओं की समस्याओं के निस्तारण न होने तक अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।भारतीय किसान यूनियन भानु के तहसील अध्यक्ष महेंद्र पाल गंगवार (पूर्व सैनिक) के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों द्वारा पूर्व में दिए गए ज्ञापन पत्र दिनांक 29.01.2026 के संबंध में आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है।

जिसके संबंध में दिनांक 10.02.2026 को संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के नेतृत्व में बीसलपुर तहसील परिसर में समस्याओं के समाधान हेतु अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन जारी है। संगठन द्वारा 10 बिंदुओं की समस्याओं के समाधान हेतु प्रस्ताव रखा गया है, जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होगा तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा बताया गया है कि तहसील क्षेत्र के ग्राम कनपरी में पारंपरिक तालाब, चकरोड, मृत मवेशियों के दफन स्थल एवं जल निकासी की पुलियों को बंद किया जा रहा है, तथा सार्वजनिक सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जो कि शासनादेशों का खुला उल्लंघन है।

1 यह कि अवैध निर्माण को तत्काल ध्वस्त कराया जाये और क्षेत्रीय लेखपाल अर्पित मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाये।

2. यह कि ग्राम कनपरी निवासी आनन्द पुत्र रामरतन के परिवार में पहले से चार पहिया वाहन, ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं गांव में दो पक्के मकान मौजूद हैं, जिसमें एक मकान दो मंजिला है। इसके बावजूद भी

प्रधानमंत्री आवास देकर फर्जी जियो टैगिंग कर लाभ दिलाया गया है। इस घोर भ्रष्टाचार में संलिप्त दोषियों पर कठोर कार्यवाही करते हुए रिकवरी की जाये।

3. यह कि तहसील स्तर पर जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में भारी हीला-हवाली एवं भ्रष्टाचार व्याप्त है। आम जनता से अवैध वसूली हो रही है, जिस पर तत्काल अंकुश लगाया जाये।

4. यह कि प्रधानमंत्री आवास आवंटन में पात्रों को लाभान्वित कराया जाये एवं अपात्रों की जांच कर कार्यवाही की जाये। तहसील क्षेत्र के सभी ब्लॉकों में।

5. यह कि बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव बेहटा के हमारे कृषक भाई राम बहादुर पुत्र जानकी प्रसाद की पांच बीघा गन्ने की फसल, जोकि मजदूरों से तीन ट्रॉली गन्ना छिलवा हुआ था, गांव के दबंग ओमपाल व नेमचन्द पुत्रगण जानकी प्रसाद एवं देवदत्त पुत्र ओमपाल ने बिलसंडा थाना के प्रभारी सिद्धान्त शर्मा, उपनिरीक्षक मनोज कुमार गौतम व हेड कांस्टेबल गुरमीत से मोटी रिश्वत देकर संगठन के कार्यकर्ता का गन्ना नहीं उठने दिया और उक्त दबंगों का गन्ना उठवाकर बिक्री करवा दिया। हमारे कार्यकर्ता का गन्ना पड़ा-पड़ा सूख गया। तत्काल प्रभाव से उक्त पुलिस कर्मियों एवं उक्त दबंगों का हजार्ना दिलवाया जाये और तीनों पुलिस कर्मियों का थाना बिलसंडा से स्थानान्तरण किया जाये।

6. यह कि ग्राम पंचायत बेहटा गांव में अमृत सरोवर के पास बने श्मशान स्थल पर यूकेलिप्टस के पेड़ों का अवैध रूप से कटान करने एवं पीला ईंटों से तालाब के पास ही पक्के रोड से श्मशान तक बिछाया गया खड़ंजे की जांच कराकर कार्यवाही की जाये, जिसमें पीला ईंटों का प्रयोग कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है तथा ग्राम प्रधान द्वारा श्मशान स्थल पर जो बेंचों की बुनियाद बनवाई गयी है, वह अवैध तथा गलत तरीके से बनवाई गयी है, जिन्हें तत्काल तुड़वाया जाये।

7. यह कि मनपुरा गांव में श्मशान और आयुर्वेदिक अस्पताल का निर्माण कराया जाये तथा गांव में उबड़-खाबड़ गलियों का तत्काल प्रभाव से इंटरलॉकिंग करवाया जाये ताकि ग्रामीणों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

8. यह कि भारतीय किसान यूनियन भानु के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का टोल टैक्स माफ किया जाये। भारतीय भानु के किसी भी वाहन को टोल टैक्स पर न रोका जाये।

9. यह कि गांव सुजनी के हमारे कृषक भाई दन्ने उर्फ दन्ना अपने खेत तक आने-जाने में परेशानी होती है। संगठन के कार्यकर्ता को खेत तक जाने के लिए रास्ता दिलवाया जाये, जबकि हमारे कार्यकर्ता रास्ता के बदले में उतनी ही भूमि अपने खेत में से देने को तैयार हैं।

10. यह कि तहसील में बड़े पैमाने पर प्राइवेट युवकों से सरकारी कार्य कराया जा रहा है, जिस कारण किसानों से अवैध वसूली की जा रही है, जिस पर तत्काल अंकुश लगाया जाये।मौके पर धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी, , महेंद्र पाल गंगवार पूर्व सैनिक, तहसील अध्यक्ष, धनंजय शुक्ला तहसील उपाध्यक्ष, राकेश प्रताप यादव ब्लॉक अध्यक्ष, मनोज दीक्षित तहसील संगठन मंत्री, योगेश अवस्थी जिला सचिव, संचित दीक्षित वरिष्ठ किसान नेता, शेखर दीक्षित जिला सचिव, सुशील मिश्र, ओमप्रकाश राजपूत जिला उपाध्यक्ष, गयाप्रसाद वरिष्ठ उपाध्यक्ष ,विशाल मिश्रा बिलसंडा नगर अध्यक्ष, अनिल शर्मा ब्लॉक उपाध्यक्ष, नितिन त्रिवेदी,महेंद्र पाल, प्रभुदयाल, मेवाराम, रोहनलाल, कृष्णपाल, आदि मौजूद रहे

सड़क निर्माण में बड़ी लापरवाही मोहान रोड पर 'मौत का पैचवर्क'

(जीएनएस)।

एक ही दिन में 7 लोग घायल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मोहन रोड पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। निर्माण करा रहे ठेकेदार की भारी लापरवाही के चलते रविवार को एक ही स्थान पर सात लोग गिरकर चोटिल हो गए। आरोप है कि ठेकेदार बीच-बीच में सड़क छोड़कर डामर डाल रहा है, जिससे सड़क पर खतरनाक ऊंचे-नीचे गड्ढे बन गए हैं आपको बताते चलें दौली खेड़ा मोड़ बना 'एक्सीडेंट पॉइंट' सबसे बदतर स्थिति दौली खेड़ा मोड़ के पास देखी जा रही है। स्थानीय निवासियों के अनुसार ठेकेदार ने यहाँ डामर डालते समय बीच का हिस्सा अधूरा छोड़ दिया है। रात के अंधेरे में या तेज रफ्तार में आने वाले वाहन चालकों को सड़क की इस 'ऊंचाई-नीचे' का अंदाजा नहीं मिल पाता,

जिससे संतुलन बिगड़ने के कारण वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। एक दिन में सात लोग अस्पताल पहुंचे स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रविवार को सुबह से शाम तक कुल सात लोग बाइक से फिसलकर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों में कुछ को गहरी चोटें आई हैं। लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद ठेकेदार काम को सही ढंग से पूरा करने के बजाय उसे 'पैच' में छोड़कर आगे बढ़ गया है। इस अव्यवस्था ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं? ठेकेदार की मनमानी क्या निर्माण के लिए कोई मानक (एसओपी) तय नहीं है? बीच में सड़क छोड़कर डामर डालना तकनीकी रूप से गलत और जानलेवा है। विभाग की चुप्पी पीडब्ल्यूडी या संबंधित विभाग के अधिकारी साइट का निरीक्षण क्यों नहीं कर रहे हैं? सुरक्षा मानकों का अभावः निर्माण स्थल पर न तो कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है और न ही रेडियम रिफ्लेक्टर, जिससे रात में बचाव हो सके। स्थानीय लोगों में आक्रोश ग्रामीणों और राहगीरों ने चेतावनी दी है कि यदि अगले 24 घंटों में इस अधूरी सड़क को ठीक नहीं किया गया, तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे। लोगों की मांग है कि ठेकेदार पर लापरवाही का मुकदमा दर्ज होना चाहिए और घायलों के उपचार की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। सड़क बनाना विकास का हिस्सा है, लेकिन विकास के नाम पर अधूरी सड़कें छोड़ देना सीधे तौर पर आपराधिक लापरवाही की श्रेणी में आता है। प्रशासन को समय रहते इस पर संज्ञान लेना चाहिए।

दियोरिया कला इंटर कॉलेज में छात्रों को भावभीनी विदाई

बोर्ड परीक्षा से पूर्व प्रवेश पत्र वितरित,शिक्षकों ने दिए सफलता के सूत्र

(जीएनएस)।

इंटर कॉलेज में छात्रों को विदाई

पीलीभीत।दियोरिया कला के बिहारीपुर हीरा स्थित इंटर कॉलेज में मंगलवार को इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राओं के लिए भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाओं से ठीक पहले हुआ यह आयोजन 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो रही परीक्षाओं के लिए छात्रों को प्रेरित करने वाला साबित हुआ।

समारोह के दौरान इंटरमीडिएट परीक्षा में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को उनके प्रवेश पत्र

वितरित कर दिए गए। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिसमें समय प्रबंधन, नियमित अभ्यास और मानसिक शांति पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के संस्थापक एल.पी. गंगवार, प्रबंधक सर्वेश गंगवार, प्रधानाचार्य पंकज कुमार गंगवार, उपप्रधानाचार्य ओविद प्रकाश शुक्ला, कार्यालय अधीक्षक सुनील कुमार, मनोज कुमार सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संस्थापक एल.पी. गंगवार ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी ने विद्यालय में मन लगाकर पढ़ाई की है। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यार्थी परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। गंगवार ने शिक्षक-शिक्षिकाओं के योगदान की भी सराहना की।

समारोह में छात्रों ने विदाई ग्रहण कर परीक्षा की तैयारी में जुटने का संकल्प लिया।

पिहानी में बहेगी सद्भाव की बयार:

पुलिस और जनता ने हाथ मिलाकर लिया 'सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण' त्योहारों का संकल्प

(जीएनएस)।

लखनऊ। हरदोई क्षेत्र में त्योहार केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं होते बल्कि हमारे समाज के आपसी जुड़ाव और साझा संस्कृति का उत्सव होते हैं। इसी भावना को साकार करने के लिए मंगलवार को पिहानी कोतवाली परिसर में एक भव्य शांति समिति (पीस कमेटी) की बैठक आयोजित की गई। आगामी महाशिवरात्रि, होली और रमजान के पवित्र

अवसरों को देखते हुए पुलिस प्रशासन और नगर के प्रबुद्ध नागरिकों ने एक स्वर में शांति और भाईचारे का संदेश दिया। "सुरक्षा आपकी, सहयोग हमारा" प्रशासन की भावुक और सख्त अपील बैठक की अध्यक्षता करते हुए कोतवाली प्रभारी छोटेलाल ने बड़ी ही आत्मीयता से कहा कि पुलिस जनता की मित्र है और त्योहारों की असली खुशी तभी है जब हर नागरिक सुरक्षित महसूस करे। उन्होंने अपील की कि ग्राम प्रधान और नागरिक अपने क्षेत्रों की छोटी-बड़ी हर हलचल से पुलिस को अवगत कराएं, ताकि किसी भी गलतफहमी को विवाद बनने से पहले सुलझाया जा सके। वहीं, इंस्पेक्टर छोटे लाल ने कड़े लेकिन स्पष्ट शब्दों में 'सुरक्षा कवच' का भरोसा दिलाते हुए कहा "त्योहार खुशियां बांटने के लिए हैं अशांति फैलाने के लिए नहीं। जो लोग नई परंपराओं के नाम पर खलल डालेंगे या अफवाहों का सहारा लेंगे, उनके खिलाफ कानून का हाथ सख्त होगा। लेकिन जो शांति का मार्ग चुनेंगे, पुलिस उनके साथ कदम से कदम मिलाकर खड़ी रहेगी। सद्भाव का गुलदस्ताः एक जाजम पर मंदिर के पुजारी और मस्जिद के इमाम बैठक का सबसे खूबसूरत दृश्य वह था जब गायत्री प्रज्ञा पीठ के प्रतिनिधियों और मस्जिदों के इमामों ने एक साथ बैठकर शहर की खुशहाली की कामना की। शिया धर्मगुरु मौलाना फरमान अली, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव गुप्ता और विभिन्न ग्राम प्रधानों ने विश्वास दिलाया कि पिहानी की गंगा-जमुनी तहजीब पर आंच नहीं आने दी जाएगी सतर्कताः पंचायत चुनाव के मद्देनजर किसी भी षड्यंत्र या आपसी रंजिश से दूर रहने की सलाह। अनुशासन नई परंपरा डालने या माहौल बिगाड़ने वालों पर रहेगी पैनी नजर सभी समुदायों ने हाथ उठाकर एक-दूसरे के त्योहारों में सहयोग करने का वादा किया। इस अवसर पर पूर्व सभासद राजीव गुप्ता, अरुण गुप्ता, राजू मिश्रा, दुर्गेश पांडे, मौलाना मसनुदुद्दीन, कारी आबिद, हबीब, हाफिज तौहिद, विमलेश तिवारी, अखिलेश बाजपेई सहित नरधिरा और चटिया बुजुर्ग के प्रधान व अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। पिहानी पुलिस की इस पहल ने न केवल कानून का इकबाल बुलंद किया है, बल्कि जनता के मन में यह विश्वास भी जगाया है कि इस बार की होली और शिवरात्रि खुशियों के रंगों से सराबोर होगी।

बेसिक स्कूल शिक्षकों के स्मार्ट क्लासेज के चतुर्थ बैच का प्रशिक्षण संपन्न

(जीएनएस)।

बाराबंकीः- मंगलवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गणेशपुर बाराबंकी में चल रहे दो दिवसीय स्मार्ट क्लासेस प्रशिक्षण पीएम श्री योजना के अंतर्गत शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदेश में चयनित परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कंपोजिट एवं कस्तूरबा गांधी विद्यालय स्वीकृत स्मार्ट क्लासेस के समापन डायट प्राचार्य अमित कुमार यादव ने आईसीटी सकारात्मक पहलू एवं नकारात्मक पहलू पर प्रकाश डाल कर किया। " नोडल प्रवक्ता लालचंद समस्त प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए संपन्न कराया गया नोडल प्रवक्ता लालचंद ने बताया की स्मार्ट क्लासेस का यह तीसरा बैच ब्लॉक देवा के 200 प्रतिभागियों का प्रशिक्षण

कराया गया जिसमें सभी प्रतिभागी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रवक्ता महेंद्र कुमार यादव ,राहुल सिंह ,सूर्यवंशी सुकेश रंजन श्रीवास्तव, जितेंद्र कुमार सोनकर, जहीर अहमद, संदर्भ दाता अनूप कुमार, मोहम्मद आसिफ आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ वालों को मिली एक और स्पेशल ट्रेन की सौगात, स्लीपर की पांच और जनरल की होंगी 12 बोगियां

(जीएनएस)।

लखनऊ। रेलवे यात्रियों की सुविधाओं के लिए आजमगढ़ से लखनऊ होकर यशवंतपुर के लिए बुधवार को एक स्पेशल ट्रेन चलाएगा। इस ट्रेन में स्लीपर और जनरल बोगियां होंगी।

05009 स्पेशल आजमगढ़ से बुधवार को सुबह 5:05 बजे चलकर मऊ, बेलथरा रोड, भटनी, देवरिया सदर, गोरखपुर, बस्ती, मनकापुर, अयोध्या धाम, अयोध्या कैंट होकर लखनऊ से दोपहर 3:55 बजे छूटेगी।

यह ट्रेन कानपुर , उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई जंक्शन झांसी, ललितपुर, बीना, भोपाल, इटारसी, बैतूल, नागपुर, चन्द्रपुर, बल्लारशह, सिरपुर कागजनगर, काजीपेट, कांचीगुडा, महबूब नगर, कुर्नूल, अनंतपुर और धर्मावरम होते हुए शुक्रवार सुबह 10:30 बजे यशवंतपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में स्लीपर की पांच और जनरल की 12 बोगियां होंगी।

नगर पालिका परिषद कोष में धन न बचाने का हवाला, संडीला नही हो पा रहा 80 मीटर इंटरलॉकिंग का निर्माण

हरदोई (जीएनएस)।

हरदोई संडीला के अशरफ टोला वार्ड 9 निकट अग्रवाल पेट्रोल पंप के पीछे 80 मीटर इंटरलॉकिंग की लगभग 15 लोगों ने उठाई थी मांग। अभी तक नहीं करवाया गया रास्ते का निर्माण 18/ 9/ 2024 को लोगों ने संडीला नगर पालिका अध्यक्ष को पत्र लिखकर बताया कि हमारे मोहल्ले की 80 का मोहल्ले का रास्ता बहुत जर्जर है जिससे लोगों को बारिश में आने जाने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है पास में कोई पानी का निकास नाली न होने के कारण घरों का पानी भी मार्ग पर जमा हो जाता है। जिससे अन्य कई लोगों को भी बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।कई लोगों ने प्रार्थना पत्र देखकर की थी इंटरलॉकिंग मार्ग बनवाने की मांग इसके बाद में भी नहीं हो सका कार्य जिससे लोगों की भावनाएं

आहट हुई है और विकास के नाम की सरकार से आशा टूट रही है इसके बाद में आईजीआरएस के माध्यम से भी इंटरलॉकिंग लगवाने की मांग की गई आईजीआरएस इंटरलॉकिंग लगवाने की मांग कर्ता एहतराम द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी की गई इंटरलॉकिंग बनवाने की मांग। इसके बाद आईजीआरएस में लगी आख्या के अनुसार बताया गया की पालिका कोष में मुद्रा नहीं है मुद्रा उपलब्ध होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी जिसकी लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई और बताया कि अधिकारियों द्वारा केवल बहकाया जा रहा है। सीधे-सीधे मुख्यमंत्री जी के विकास के नाम पर केवल कागज का ही प्रयोग कर दिया जा रहा है। सभी मोहल्ला वासियों का कहना है कि कि इस समस्या का निस्तारण जल्द ही करवाना चाहिए जिससे कि हम लोगों की आगे आने वाली भविष्य की समस्याएं खत्म हो सके।

लखनऊ एयरपोर्ट पर 20500000 रुपये का हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद, बैंकॉक से आया यात्री गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आए एक भारतीय यात्री के बैग से 5.88 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। इसकी कीमत 2.05 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक बार फिर इंटरनेशनल तस्करी का खुलासा हुआ है। बैंकॉक से लखनऊ पहुंची एक फ्लाइट से आए भारतीय यात्री के बैग से करीब 2.05 करोड़ रुपये कीमत का हाइड्रोपोनिक गांजा (मारिजुआना) बरामद किया गया है। एयर इंटेलिजेंस ने खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया। इस कार्रवाई के बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। आरोपी यात्री को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

इंटेलिजेंस यूनिट को मिला था इनपुट

दरअसल, एयर इंटेलिजेंस यूनिट को बैंकॉक से आने वाली फ्लाइट को लेकर पहले से ही विशेष खुफिया इनपुट मिला था। इसी सूचना के आधार पर फ्लाइट संख्या ऋ-146 से लखनऊ पहुंचे एक भारतीय यात्री को कस्टम और एयर इंटेलिजेंस अधिकारियों ने जांच के लिए रोका। जब यात्री के ट्रॉली बैग की तलाशी ली गई तो उसमें रखे 8 कुकी टिन बॉक्स संदिग्ध पाए गए।

5.88 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त

एयरपोर्ट अधिकारियों ने जब टिन बॉक्स खोले तो हर बॉक्स के अंदर पॉलीथीन पाउच में भरा हरे रंग का ऑर्गेनिक पदार्थ मिला। मौके पर ही फील्ड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट से जांच की गई, जिसमें वह पदार्थ हाइड्रोपोनिक गांजा (मारिजुआना) निकला। जब्त किए गए नशीले पदार्थ का कुल वजन लगभग 5.88 किलोग्राम पाया गया।

2 करोड़ से ज्यादा कीमत

एयर इंटेलिजेंस अधिकारियों के मुताबिक यह गांजा सामान्य नहीं, बल्कि बेहद उच्च गुणवत्ता वाला हाइड्रोपोनिक वीड है, जिसे अत्याधुनिक तकनीक से तैयार किया जाता है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2.05 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह मादक पदार्थ खासतौर पर विदेशी बाजारों और हाई-प्रोफाइल ग्राहकों के लिए तैयार किया जाता है।

मामले की जांच में जुटी एजेंसियां

आरोपी यात्री के पास से गांजा के साथ-साथ पैकेजिंग सामग्री भी जब्त की गई है। आशंका जताई जा रही है कि यह खेप आगे सप्लाई के लिए लाई गई थी। आरोपी को हिरासत में लिए जाने के बाद इस पूरे नेक्सस को खंगालने की कोशिश की जा रही है। यात्री यह नशीला पदार्थ किस नेटवर्क के जरिए भारत ला रहा था? इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं?

एयरपोर्ट प्रशासन और जांच एजेंसियां इन सवालों के जवाब तलाश रही है। पूरे मामले की गहन जांच चल रही है। तस्करी के इस इंटरनेशनल रैकेट की परतें खोलने के लिए अन्य एजेंसियों को भी अलर्ट किया गया है।

एक अज्ञात महिला का शव नाले में मिलने से मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

लखनऊ। उन्नाव के बांगरमऊ नगर के ब्लॉक रोड स्थित शांति मील मैदान के पास सोमवार रात एक अज्ञात महिला का शव नाले में मिला। शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस अब शव को पोस्टमार्टम के

लिए भेजने की तैयारी कर रही है। यह खबर नगर में फैलते ही देखते ही देखते सैकड़ों की संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। बताया जा रहा है कि शव लगभग चार दिन पुराना था, जिससे तेज दुर्गंध आ रही थी। राहगीरों ने दुर्गंध आने के बाद नाले में शव पड़ा देखा और स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। शव को नाले से बाहर निकालने के लिए पुलिस को घंटों मशक्कत करनी पड़ी। काफी प्रयासों के बाद नगर पालिका के कर्मचारी मौके पर पहुंचे काफी देर तक शव को बाहर निकालने में हो रही देरी को देखते हुए चौकी प्रभारी न्यूटन सिंह ने अपने कपड़े उतारे और अकेले ही नाले में उतर गए। उन्होंने अकेले ही शव को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग तमाशबीन बने खड़े रहे, यहां तक कि मौके पर मौजूद दर्जनों पुलिसकर्मी भी सिर्फ देखते रहे। दरोगा न्यूटन सिंह की इस कार्यशैली की लोगों ने जमकर प्रशंसा की।

साइबर ठगी का कॉल सेंटर गिरोह का भंडाफोड़, दो शातिर सरगना गिरफ्तार

7 मोबाइल, लैपटॉप व पासपोर्ट बरामद – 50 हजार से ज्यादा लोगों का डाटा मिला

(जीएनएस)।

पीलीभीत। थाना घुंघचाई पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर ठगी करने वाले कॉल सेंटर गिरोह के दो मुख्य सरगनाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक पासपोर्ट सहित अन्य सामान बरामद किया है। बरामद डिजिटल डाटा के विश्लेषण में बड़े पैमाने पर साइबर ठगी के नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान तनीष उर्फ हर्षित विश्वकर्मा (निवासी भोपाल, उम्र 22 वर्ष) तथा आशुतोष कुमार उर्फ आशु उर्फ पंकज (मूल निवासी

शाहजहांपुर, हाल निवासी दिल्ली, उम्र 45 वर्ष) के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि दोनों दुबई में फर्जी गेमिंग ऐप के कॉल सेंटर में काम कर चुके हैं और वहीं से ठगी का तरीका सीखा। बाद में इन्होंने पीलीभीत व रुद्रपुर क्षेत्र में अपने सहयोगियों के माध्यम से कॉल सेंटर संचालित कर नेटवर्क फैलाया।

ठगी का तरीका बेहद शातिराना

गिरोह ऑनलाइन गेमिंग ऐप (एविएटर आदि) के नाम पर लोगों को कॉल कर लालच देता था। शुरूआत में खिलाड़ियों को जानबूझकर छोटी जीत दिलाई जाती, फिर अधिक रकम निवेश कराने के बाद उनका पूरा अकाउंट खाली कर दिया जाता। जब पीड़ित विरोध करता तो नंबर बंद कर नए शिकार की तलाश शुरू कर दी जाती।

गिरोह ने वेबसाइट के जरिये डायलर सॉफ्टवेयर से कॉल कर देशभर में जाल फैलाया। आरोपियों के लैपटॉप में लगभग 50,000 लोगों के लॉगिन डाटा और करीब 20,000 निवेशकों की जानकारी मिली है। अब तक की जांच में 11,739 नंबर यूजर आईडी से लगभग 5 करोड़ 54 लाख रुपये से अधिक का निवेश सामने आया है।

देशभर से जुड़े तार

जांच में कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा सहित कई राज्यों से शिकायतें जुड़ी मिली हैं। गिरोह फर्जी आधार कार्ड के सहारे होटल में रुकता और अपनी असली पहचान छिपाता था। अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है।

बरामदगी व मुकदमा

पुलिस ने कुल 7 मोबाइल, 1 लैपटॉप, 1 पासपोर्ट बरामद किया है। मामले में मुकदमा संख्या 169/2025 धारा 318(4), 338, 336(3), 3(5) बीएनएस व 66सी/66डी आईटी एक्ट के तहत पंजीकृत है।

कार्रवाई करने वाली टीम

पूरी कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक जयशंकर सिंह के नेतृत्व में सर्विलांस टीम व थाना घुंघचाई पुलिस ने संयुक्त रूप से की।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण जारी है और जल्द ही गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी की जाएगी।

फिर भाकियू क्रांति की टीम ने पेश की मानवता की मिसाल गरीब मजदूरों को वितरित कराए कंबल

(जीएनएस)।

लखनऊ। हरदोई के शाहाबाद तहसील के अंतर्गत ग्राम हँसुआ में हल्का लेखपाल रामविलास भारती के सहयोग से भारतीय किसान यूनियन क्रांति के जिला अध्यक्ष पश्चिम अनुराग यादव ने गरीब मजदूर को कंबल वितरित कराए कंबल पाकर गरीबों के खिले चेहरे तहसील प्रशासन को दी दुआ गरीब किसान मजदूर और विकलांग ने कंबल हाथों में लेते हुए लेखपाल सहित तहसील प्रशासन को दुआ दी और कहा कि इस बार हम सभी को सरकारी योजनाओं का लाभ मौके पर उपलब्ध कराया जाता है सभी के जुबान से निकला भारतीय किसान यूनियन क्रांति जिन्दाबाद सभी किसानों के जुबान से एक ही शब्द निकला भारतीय किसान यूनियन क्रांति जिन्दाबाद चौड्ड ब्रह्मसिंह यादव जिन्दाबाद जय जवान जय किसान।